राष्ट्रीय एकता के सूत्रधारः लौह पुरुष सरदार पटेल

डा0 शिवानी
राजनीतिशास्त्र विभाग
डी०ए०वी० सैन्टनरी कॉलिज फरीदाबाद
Email:shivanitanwar1973@gmail.com

सारांश

भारत विविध संस्कृतियों, भाषाओं और धर्म वाला एक अनोखा राष्ट्र है जिसका निर्माण भाषा, धर्म, अहिंसा, संस्कृति और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित एकता के सूत्र में बांधकर हुआ है। किसी भी देश का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित होता है। सरदार बल्लभ भाई पटेल ने अपना संपूर्ण जीवन भारत और भारतवासियों के हित में लगा दिया। वह एक कुशल अधिवक्ता के साथ–साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता भी थे। उन्होंने भारत के उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का पद संभाला था। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व और अदम्य साहस का ही कमाल था कि देसी रियासतों का भारतीय संघ में विलय हो सका। उन्होंने अपनी वॉक शक्ति से देश के लोगों को संगठित करके गुजरात से शराब बंदी, महिला सशक्तिकरण, अस्पृश्यता और जाति भेदभाव जैसे कानूनी प्रथा को समाप्त करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। वह नवीन भारत के निर्माता, किसान की आत्मा और राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी थे। उनके द्वारा किए गए साहसिक कार्यों की वजह से ही लोगों ने उन्हें लौह पुरुष और सरदार जैसे उपाधियों से नवाजा। आज भारत देश ऐसे ही लौह पुरुष की तलाश में है जो देश में एकता और अखंडता लाने में फिर से सफल हो सके।

मुख्य बिंदु

सरदार पटेल, लौह पुरुष, भारतीय, आंदोलन, स्वतंत्रता, रियासत, एकीकरण, विलीनीकरण संघर्ष, योगदान।

Reference to this paper should be made as follows:

Received: 16.09.2020
Approved: 30.09.2020

डॉ0 शिवानी

राष्ट्रीय एकता के सूत्रधारः लौह पुरुष सरदार पटेल

RJPP 2020,
Vol. XVIII, No. II,
pp.258-263
Article No. 32

Online available at *:*
https://anubooks.com/?page_id=6391

भारत विविध संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मो वाला एक अनोखा राष्ट्र है।' एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के द्वारा सरकार विभिन्न राज्यों के लोगों को दूसरे राज्यों की संस्कृतियों के बारे में बताकर देश को एकजुट करने की कोशिश करता है। वह बर्फ से ढके एक ज्वालामुखी, नवीन भारत के निर्माता, राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी थे। वास्तव में वे भारतीय किसान की आत्मा थे। भारत की स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उनके द्वारा किए गए साहसिक कार्यों की वजह से ही उन्हें लौह पुरुष और सरदार जैसे उपाधियों से नवाजा गया।

वकालत में महारत, हासिल करने वाले सरदार पटेल ब्रिटिश न्यायाधीशों के लिए एक चुनौती के समान थे। उन्होंने इंग्लैंड से बैरिस्टर की पढ़ाई पूरी की और वहां के समस्त छात्रों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पटेल जी एक कुशल अधिवक्ता होने के साथ–साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता भी थे। उन्होंने भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का पद संभाला था। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, नेतृत्व कौशल, और अदम्य साहस का ही कमाल था कि 600 देसी रियासतों का भारतीय संघ में विलय हो सका।

पटेल का जीवन परिचय

सरदार पटेल ने 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियावाड में एक स्वतंत्रता सेनानी के घर जन्म लिया था। उनके पिता जाबेर भाई पटेल 1857 के आंदोलनकारी थे। वह अपने माता–पिता की चौथी संतान थे। 16 वर्ष की अवस्था में उनका विवाह जबेरबा से हुआ। 22 वर्ष की आयु में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। 33 वर्ष की आयु में उनकी पत्नी का निधन हो गया। सरदार पटेल का सपना वकील बनने का था परंतु उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। उन्होंने अपना सपना पूरा करने के लिए एक परिचित वकील से पुस्तके उधार लेकर घर पर पढ़ाई की। इंग्लैंड में वकालत की पढ़ाई करने के बाद वह 1913 में भारत लौटे और अहमदाबाद में अपनी वकालत शुरू की।

आंदोलनों में भागीदारी

सरदार पटेल गांधीजी के चंपारण सत्याग्रह की सफलता से काफी प्रभावित थे। 1918 में गुजरात के खेड़ा खंड में सूखा पड़ा। किसानों ने करो से राहत की मांग की परंतु ब्रिटिश सरकार ने मना कर दिया। गांधीजी ऐसे व्यक्ति के तलाश में थे जो उनकी अनुपस्थित में इस संघर्ष की अगुवाई कर सके। ऐसे समय में पटेल स्वेच्छा से आगे आकर संघर्ष का नेतृत्व किया। किसानों की फसल खराब हो जाने के बावजूद भी ब्रिटिश सरकार द्वारा कर में कटौती न करने पर गांधी जी ने सरदार पटेल को खेड़ा आंदोलन के कमांडर के रूप में चुना। पटेल जी ने सभी किसानों से कर ना देने का आग्रह किया जिसके बाद सरकार को किसानों की मांग माननी पड़ी। इसलिए स्वतंत्रता के लिए किए गए सभी आंदोलन जैसे– असहयोग आंदोलन, स्वराज आंदोलन, दांडी यात्रा, भारत छोड़ो आंदोलन इन सभी में सरदार पटेल की अहम भूमिका थी। इनकी वाक शक्ति ही इनकी सबसे बड़ी ताकत थी जिस कारण उन्होंने देश के लोगों को संगठित किया, गुजरात में शराब बंदी, महिला सशक्तिकरण, अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव के साथ–साथ उन्होंने 1920 में कानूनी प्रथा को समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए। 1928 में उन्होंने गुजरात में अकाल पीड़ितों की भरपूर मदद की। उनके इन्हीं योगदानो के कारण बारदोली के किसानों ने प्यार से उन्हें सरदार कहना शुरू किया।

सरदार पटेल का योगदान

1946 में कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस समितियों की राय मांगी गई जिसमें 15 प्रदेश कांग्रेस समितियों ने सरदार पटेल को चुना, एक ने जे. बी .कृपलानी को चुना जबकि नेहरू को एक भी वोट नहीं मिले। महात्मा गांधी की बात का आदर करते हुए पटेल जी ने खुद को प्रधानमंत्री पद की दौड़ से दूर रखा और जवाहरलाल नेहरू कांग्रेस अध्यक्ष बनाए गए। उस समय कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में जो भी चुना जाता, उसे ही भारत का प्रथम प्रधानमंत्री बनाए जाने का निश्चय किया गया था। इस तरह सरदार पटेल के स्थान पर पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने। देश की स्वतंत्रता के पश्चात सरदार पटेल देश के प्रधानमंत्री के साथ साथ गृहमंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री तथा रियासत विभाग के मंत्री भी थे। सरदार पटेल के निधन के 41 वर्श बाद 1991 में भारत के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान भारत रत्न से उन्हें सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उनके पुत्र विपिन भाई पटेल ने स्वीकार किया।

गृहमंत्री के रूप में

गृहमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 600 छोटी बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी। पटेल जी ने आजादी से पहले ही पी. वी. मेनन के साथ मिलकर कई देसी राज्यों को भारत में मिलाने के लिए कार्य आरंभ कर दिया था। पटेल और मेनन की मेहनत के परिणाम स्वरूप तीन रियासतें हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर सभी रजवाड़ों ने स्वेच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध वहां की प्रजा ने विद्रोह कर दिया तो वह भाग कर पाकिस्तान चला गया। हैदराबाद भारत की सबसे बड़ी रियासत थी। वहां के निजाम ने पाकिस्तान के प्रोत्साहन से स्वतंत्र राज्य का दावा किया और अपनी सेना बढ़ाने लगा। हैदराबाद में काफी मात्रा में हथियारों के आयात से सरदार पटेल चिंतित हो गए। अतः उन्होंने हैदराबाद को एक करने के लिए ऑपरेशन पोलो चलाया था। जिसके लिए उन्हें सेना भेजनी पड़ी थी, बाकी देसी रियासतों को एक करने के लिए उन्हें किसी प्रकार की सेना या खून खराबा करने की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। 13 सितंबर 1948 को भारतीय सेना हैदराबाद में प्रवेश कर गई। निजाम ने 3 दिन बाद आत्मसमर्पण कर भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। निस्संदेह सरदार पटेल ने 562 रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा ना हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। 5 जुलाई 1947 को रियासत की स्थापना की गई थी। वास्तव में एक साथ इतने देशों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था।

लौह पुरुष के रूप में

भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। भारत की एकता के सूत्रधार कहे जाने वाले लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को मनाई जाती है। वास्तव में वे आधुनिक भारत के शिल्पी थे। उन्होंने जिस अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से नवजात

गणराज्य की कठिनाइयों का समाधान किया, उसके कारण विश्व के राजनीतिक मानचित्र में अमिट स्थान बना लिया। भारत की स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान और नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी।

राष्ट्रवाद के प्रमुख समन्वयक

देश की स्थानीय शक्तियों से जिस प्रकार सरदार पटेल पहले निपटते थे, वैसा सामर्थ्य किसी भी अन्य नेता में नहीं था। वह एक यथार्थवादी व्यक्ति थे। वह व्यक्ति व परिस्थितियों का सटीक आंकलन कर लेते थे। उनकी दृष्टि में ना केवल आंतरिक मामले बल्कि विदेशी मामले भी बिल्कुल स्पष्ट थे। उनका व्यक्तित्व बहुत आयामी था उसे एक आलेख में लिपिबद्ध करना असंभव है।

राष्ट्रीय एकता

सरदार पटेल हमेशा से ही एकता के महत्व को समझते थे और उन्हें आगे बढ़ाना चाहते थे। उनका मानना था कि भारत को विकास की दिशा में प्रगति करने के लिए और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना होगा। उनकी एकता की इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर को सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के उपलक्ष पर राष्ट्रीय एकता दिवस योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का उद्देश्य सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में एकता को बढ़ावा देना उन भारतीयों के बीच भी संबंधों को सुधारना है जो पूरे देश में अलग–अलग भागों में रह रहे हैं। 31 अक्टूबर, 2013 को सरदार पटेल की 138 वी जयंती के अवसर पर गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित केवड़िया में सरदार पटेल के स्मारक का शिलान्यास किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है वर्ष 2018 में बनकर तैयार हुई इस मूर्ति की ऊंचाई 182 मीटर है जो विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के दिन को देशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत

इस कार्यक्रम के द्वारा सरकार विभिन्न राज्यों के लोगों को दूसरे राज्यों की संस्कृतियों के बारे में बताकर देश को एकजुट करने की कोशिश करती है। भारत विविध संस्कृतियों भाषाओं और धर्म वाला एक अनोखा राष्ट्र है जिसका निर्माण विविध भाषा, संस्कृति, धर्म, अहिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित स्वतंत्रता संग्राम तथा सांस्कृतिक विकास से समृद्ध इतिहास द्वारा एकता के सूत्र में बांधकर हुआ है जिसको भविष्य में पोषित और अभिलक्षित करने की आवश्यकता है।

समय और तकनीक ने संपर्क और संचार के मामले में दूरियों को कम कर दिया है। ऐसे युग में यह कार्यक्रम गतिशीलता और आगे बढ़ने की सुविधा प्रदान करता है। विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान के द्वारा आपसी रिश्तो को मजबूत रखना राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण है। इस योजना के निम्न उद्देश्य है–

1. भारत की एकता और विविधता का जश्न मनाने के लिए भारतीयों के बीच भावनात्मक बंधन के ताने–बाने क्या बात है को मजबूत बनाए रखना।

2. सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच संरचित और गहन जुड़ाव के माध्यम से राष्ट्र की अखंडता को बढ़ावा देना।
3. किसी भी राज्य की समृद्धि विरासत और संस्कृति रीति–रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित करना जिससे लोग भारत की विविधता को समझ सके और उसकी सराहना कर सकें।
4. दीर्घकालीन जुड़ाव स्थापित करना।

एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो राज्यों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करके सीखने को बढ़ावा देता है।

निष्कर्ष

किसी भी देश का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित होता है। सरदार पटेल ने अपना संपूर्ण जीवन भारत और भारतवासियों के हित में लगा दिया। वह एक निस्वार्थ नेता थे जिन्होंने देश के हितों को सबसे ऊपर रखा और एकनिष्ठ भक्ति के साथ भारत के नियति को आकार दिया और भारत के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उन्होंने हर जाति, वर्ग के लोगों के विचारों का बहुत मान दिया और आवश्यकता अनुसार हर सुविधाएं मुहैया करवाने का भरसक प्रयास किया। लौह पुरुष सरदार पटेल भारत के पहले गृहमंत्री थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देसी रियासतों का एकीकरण कर 'अखंड भारत' के निर्माण में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। आज हम जिस विशाल भारत को कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले हुए देख पाते हैं उसकी कल्पना सरदार पटेल के बिना शायद पूरी नहीं हो पाती। उन्होंने ही देश के छोटे–छोटे रजवाड़ों और राजघरानों को एक कर भारत में सम्मिलित किया।

भारतीय आंदोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने की वजह से सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक अत्यंत गौरवपूर्ण स्थान पाया है। नए भारत के निर्माण का एक मात्र श्रेय वल्लभ भाई पटेल को दिया जाता है उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में अपना अमूल्य योगदान दिया। इतिहास में सरदार पटेल के अतिरिक्त दूसरा कोई व्यक्ति नहीं है जो सभी छोटी–बड़ी रियासतों को भारत के संघ में मिलाने का साहस कर पाता। आज भारत देश को ऐसे ही लौह पुरुष की तलाश है जो देश में एकता और अखंडता लाने में फिर से सफल हो सके। बिस्मार्क ने जिस तरह जर्मनी के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उसी तरह पटेल ने भी आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। बिस्मार्क को जर्मनी का 'आयरन चांसलर' कहा जाता है वही सरदार पटेल भारत के 'लौह पुरुष' कहलाते हैं।

गुजरात में नर्मदा के सरदार सरोवर बांध के सामने सरदार पटेल की 182 मीटर ऊंची 'लौह प्रतिमा' का निर्माण किया गया है उस प्रतिमा का नाम एकता की मूर्ति (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है।

पटेल जी के अनमोल वचन निम्न है–

1. यह हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यह अनुभव करें कि उसका देश स्वतंत्र है और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करना उसका कर्तव्य है। हर एक भारतीय को यह भूल जाना चाहिए वह एक राजपूत, एक सिख और एक जाट है। उसे यह याद होना चाहिए कि वह एक भारतीय है और उसे इस देश में हर अधिकार है पर कुछ जिम्मेदारियां भी हैं।

2. इस मिट्टी में कुछ अनूठा है, जो कई बाधाओं के बावजूद हमेशा महान आत्माओं का निवास रहा है।
3. लोहा भले ही गर्म हो लेकिन हथोड़ा ठंडा रखना चाहिए वरना स्वयं का ही हाथ जल जाएगा।

सन्दर्भ

1. (2016). P.M. Modi Pays rich tribute to iron man Sardar Patel on his 141st Birth Anniversary. *The Indian express*. 31 October.
2. (2019). "Sardar Vallabhabhai Patel" Indian National Congress. Retrieved 7 October.
3. (2018). India unveils the world"s tallest statue. *BBC*. 31 October.
4. (2016). Nehru and Patel : An unbreakable combination. Outlook India.

SOCIAL SCIENCES	SINCE	ISSN (P)	ISSN (E)	PERIOD	IMPACT FACTOR
Research Journal of Philosophy & Social Sciences	1974	0048-7325	2454-7026	Half Yearly June-Dec.	8.904
Review Journal of Philosophy & Social Science	1975	0258-1707	2454-3403	Half Yearly Mar-Sept.	8.749
Review Journal of Political Philosophy	2003	0976-3635	2454-3411	Half Yearly Mar-Sept.	8.734
Journal Global Values	2010	0976-9447	2454-8291	Half Yearly June-Dec.	8.808
Arts & Humanities	**SINCE**	**ISSN (P)**	**ISSN (E)**	**PERIOD**	**IMPACT FACTOR**
Notions: A Journal of English Literature	2010	0976-5247	2395-7239	Half Yearly June-Dec.	8.832
Artistic Narration: A Journal of Performing Art	2010	0976-7444	2395-7247	Half Yearly June-Dec.	8.851
Science	**SINCE**	**ISSN (P)**	**ISSN (E)**	**PERIOD**	**IMPACT FACTOR**
Voyager: A Journal of Sciences	2010	0976-7436	2455-054X	Yearly	8.005
Multidisciplinary	**SINCE**	**ISSN (P)**	**ISSN (E)**	**PERIOD**	**IMPACT FACTOR**
Shodhmanthan (शोधमंथन) in Hindi	2010	0976-5255	2452-339X	Quarterly	8.783

* All Journals are available in Print and online (Open Access)
* Plagiarism: Check for similarity to prior published works through Ithenticate (Turnitin)
* Double blind peer reviewed.